www.avadhkaawaz.com

अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–10 अंक–131 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ गुरुवार 12 अगस्त 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

योगी का दो दिवसीय साप्ताहिक बंद में आंशिक छूट पर विचार करने का निर्देश

लखनऊ, (वेबवार्ता)। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संबंधी स्थिति में सुधार को देखते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अधिकारियों को दो दिवसीय साप्ताहिक बंद में आंशिक छूट पर विचार करने

का निर्देश दिया और गृह विभाग को इस संबंध में विस्तृत दिशा–निर्देश पेश करने को कहा। बुधवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया, ''प्रदेश में कोविड की नियंत्रित स्थिति को देखते हुए दो दिवसीय साप्ताहिक बंदी में आंशिक छूट दिए जाने पर विचार किया जा सकता है, इस संबंध में गृह विभाग विस्तृत दिशा निर्देश प्रस्तुत करे। प्रत्येक स्थान पर प्रत्येक दशा में कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन कराया जाए। कहीं भी अनावश्यक भीड़भाड़ न हो, पुलिस की गश्त सतत जारी रहे। नवीन व्यवस्था के संबंध में समुचित दिशा–निर्देश प्रस्तुत किये जाएँ।''गौरतलब हैं कि जुलाई माह में, राज्य सरकार ने दिशा–निर्देश जारी किए थे, जिसके अनुसार सोमवार से शुक्रवार तक बाजार, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक खोलने की अनुमति दी गई थी, जबकि शनिवार और रविवार साप्ताहिक बंदी के दिन थे। अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने एक बयान में बताया कि प्रदेश में कोरोना वायरस महामारी पर प्रभावी नियंत्रण बना हुआ है। उन्होंने बताया कि बुधवार को जनपद अलीगढ़, अमेठी, चित्रकूट, एटा, फिरोजाबाद, गोंडा, हाथरस, कासगंज, पीलीभीत, प्रतापगढ़, शामली और सोनभद्र में कोविड का एक भी मरीज शेष नहीं है। यह जनपद आज कोविड मुक्त हैं। औसतन हर दिन ढाई लाख से अधिक परीक्षण हो रहे हैं, विगत 24 घंटे में हुई दो लाख 39 हजार 909 जांच में 59 जिलों में संक्रमण का एक भी नया मामला नहीं पाया गया, जबकि 16 जनपदों में इकाई अंक में मरीज पाए गए। वर्तमान में प्रदेश में उपचाराधीन मामलों की संख्या 505 रह गई है। बयान के अनुसार बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में कक्षा छठी से आठवीं तक की कक्षाओं में नवीन प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाए तथा स्थिति का आकलन करते हुए इन विद्यालयों में एक सितंबर से पठन–पाठन शुरू किया जा सकता है।

प्रदेश सरकार की योजना के तहत मेघा कैम्प लगाकर किया ऋण वितरण

अवध की आवाज

कदौरा/जालौन । किसानों के उत्थान की दृष्टि से प्रदेश सरकार की योजना के तहत बैंक शाखाओं में किसान

मेघा क्रेडिट कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें कुछ किसानों का ऋण स्वीकृत कर अन्य को योजना के लाभ को लेकर जागरूक किया गया। ज्ञातव्य हो कि प्रदेश में 11 अगस्त को प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार कदौरा आर्यावर्त बैंक शाखा में प्रबंधक सुनील कुमार के नेतृत्व में किसान मेघा क्रेडिट कैम्प का आयोजन करवाया गया जिसमें एकत्र किसानों के आवेदन पर ऋण स्वीकृत कर योजना से लाभान्वित किया गया।मौजूद किसानों के बीच प्रबंधक सुनील कुमार द्वारा जागरूक कर कहा गया कि किसान उक्त योजना के तहत ऋण योजना का लाभ नियमो का पालन करते हुए ले सकते है जिसमे आपदा व अन्य समस्याओ से हुई फसलों में बर्बादी को लेकर सम्बन्धित किसान उत्तम कृषि हेतु ऋण योजना का लाभ ले एव सरकार से प्राप्त ऋण से उत्तम कृषि कर लाभ कमा सकते है वही किसानों को जागरूक कर कहा गया कि किसान उक्त क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ लेकर समय से ऋण अदा करे। एव आगाह किया गया कि किसान सीधे शाखा में सम्पर्क कर योजना का लाभ ले व किसी भी विचौलिये आदि का सहारा न लेकर अपना आवेदन स्वयं करे।वही क्षेत्रीय 5 किसानों को मेघा कैम्प में ऋण स्वीकृत कर पासबुक भेंट की गयी मौके पर प्रबंधक सुनील कुमार यादव आलोक कुमार कर्मनीत सचान सौरभ पुरवार सुखराम सहित स्टाफ मौजूद रहे।

72 घण्टो से ट्रांसफार्मर हुआ खराब बिजली ठप्प

अवध की आवाज

पिरौना (जालौन) एट कस्बा में 72 घण्टो से फुका पड़ा ट्रांसफार्मर जिससे बिजली ठप्प विभागीय कर्मचारी नही दे रहा कोई ध्यान

इस सम्बंध में कस्बावासियों ने एट जेई मोहित कुमार सोनी को अवगत कराया लेकिन फिर भी अभी तक कोई ध्यान नही दिया। इसके बाद लोगो ने सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा को अवगत कराया। उन्होंने समन्धित विभाग को बताया लेकिन फिर भी अभी तक ट्रांसफार्मर नही बदला गया। जिससे कस्बा वासियो में रोष व्याप्त होता जा रहा है। कस्बा निवासी गजेन्द्र सिंह युवा सपा नेता चरन सिंह, नरेंद्र, मानवेन्द्र पाल, मकुंदी पाल, आरिफ अली, हरिशंकर शिवहरे, सुरेश राठौर, दीपू, सुनील, पंकज, भूरे आदि लोगो ने बताया कि धुरट रोड पर 100 आ का ट्रांसफार्मर तीन दिनो से खराब पड़ा हुआ है। अभी तक कोई सुनवाई नही हुई जब हम लोग जेई मोहित सोनी को फोन करते तो फोन नही उठाते वार्ड 13 तुलसी नगर में अंधेरा छाया हुआ है इसके बाबजूद सदर विधायक ने भी कई बार जेई को हिदायत भी दी लेकिन उस पर कोई जू तक नही रेंगी।

नागपंचमी,स्वतंत्रता दिवस व रक्षाबंधन की सभी देशवासियों को क्षेत्रवासियों को,ग्राम वासियों को,अवध की आवाज के सभी पत्रकार बंधुओं को ,लखनऊ संस्था को,व जनपद के सभी पत्रकार बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएं

आमिर भाई
अपराध
संवाददाता
अवध की आवाज
जाजमऊ,कानपुर

यूपी जर्नलिस्ट्स एसोसियेशन उपजा का शुरू हुआ सदस्यता अभियान

मोहम्मद खालिद अवध की आवाज

खोड़ारे गोण्डा। यूपी जर्नलिस्ट्स एसोसियेशन उपजा पत्रकारो के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्व

है। इस दिशा में कई कल्याणकारी कदम उठाये जा रहे हैं। जिसमें पत्रकार सदस्योंका मुफ्त दुर्घटना बीमा के साथ–साथ व्यक्तिगत बीमा भी कराया जा रहा है। उक्त बातें महाराजा देवी बख्श सिंह पुस्तकालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि उपजा के प्रदेश अध्यक्ष डा0 जी सी श्रीवास्तव ने व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश मंत्री व जिलाध्यक्ष रईस अहमद ने सदस्यता अभियान की शुरूआत करते हुए सभी पत्रकार साथियों से उपजा की सदस्यता ग्रहण करने का आहवान किया। उन्होने कहा कि वे अब तक पत्रकार हितो को लेकर सदैव गंभीर रहे हैं और साथियों के लिए संघर्ष किया है जिसका नतीजा है कि संगठन लगातार मजबूत होता जा रहा। उन्होने साफ लहजे में कहा कि उपजा पत्रकारो के कल्याण के लिए प्रतिबद्व है और रहेगी। महामंत्री जगपाल सिंह ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि हम जिला मुख्यालय पर 24 घंटे मौजूद रहते हैं कभीभी किसी पत्रकार की कोई समस्या होती है तुरंत निस्तारण करने का प्रयास करते हैं और भविष्य में किसी भी पत्रकार साथियों की कोई भी समस्या हो 24 घंटे मेरा मोबाइल खुला रहता है आप हमें फोन करके अपनी समस्या बता सकते है कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता व प्रतिष्ठित पत्रकार अतुल श्रीवास्तव ने किया। उपजा के उपाध्यक्ष अशोक कुमार शुक्ल मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं मंत्री विनीत कुमार श्रीवास्तव ने संगठन द्वारा किए गये कार्यो की सराहना की। वहीं कोषाध्यक्ष वियोगी पंकज, ने वार्षिक लेखाजोखा प्रस्तुत करते हुए संघ की सुचिता व पारदर्शिता को लेकर संतोष व्यक्त किया गया। वहीं मंत्री संजय प्रजापति ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर बल देते हुए कई सवाल भी उठाये। वही तहसील करनैल गंज के अध्यक्ष जी के श्रीवास्तव ने लोगो से अनुशासन बनाये रखने व समय के सदुपयोग करने की चर्चा की गई। इस मौके पर मीडिया प्रभारी प्रमोद नन्दन श्रीवास्तव ने उपजा की सदस्यता लेने की अपील करते हुए संगठन को मजबूत बनाने के टिप्स भी दिए गये। कार्यक्रम में मंत्री आशीष श्रीवास्तव, पुनीता मिश्रा, सरोज मौर्या, सोमेन्द्र, सहित दर्जनो पत्रकार साथियो ने भी अपने अपने विचार रखे । इस मौके पर पत्रकार, श्रवण कुमार, मनोज साहू, राजीव शुक्ला, मो0 सलीम, अवधराज गोस्वामी, बृजेन्द्र मिश्र, मकसूद अकरम अंसारी, प्रदीप शुक्ला, मंजूरे इलाही, महामंत्री सरवन इमरान सलीम कौशलेंद्र श्रीवास्तव रेहान रजा शाह दिवाकर विक्रम सिंह मैनुद्दीन खान राजीव उपाध्याय मुख्तार अली विजय गुप्ता हनुमान गुप्ता बृजेंद्र कुमार मिश्र संदीप शुक्ला प्रदीप शुक्ला मनदीप यादव प्रदीप शुक्ला लवकुश कुमार, शेष धारी सिंह,मो आमिर व कई दर्जनों पत्रकार उपस्थित थे।

हमें सदैव वीर शहीदों के योगदान का स्मरण रखना होगा ष्सच्चिदानंद सिंह

अंबिका नन्द त्रिपाठी

अयोध्या। आजादी का अमृत महोत्सव''के अन्तर्गत नगर निगम अयोध्या के तिलक हाल में वीर शहीदों एवं स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों की स्मृति में विद्यालयी छात्रों के निबन्ध लेखनध्स्वच्छता

पर स्लोगन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें 22 छात्र छात्राओं द्वारा प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों के स्वतन्त्रता संग्राम से सम्बन्धित लेखों एवं स्लोगन बनाये गये। इस कार्यक्रम 22 छात्र छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अपर नगर आयुक्त सच्चिदा नन्द सिंह द्वारा अपने सम्बोधन में अवगत कराया गया कि हमारे देश के वीर शहीदों ने स्वतन्त्रता संग्राम में अपनो प्राणों की कुर्बानी देते हुए आजाद कराया गया है। हमें सदैव उनके योगदान का स्मरण रखना होगा। उन्हीं के मार्गदर्शन पर ही राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा। इसलिए शहीदों की स्मृति में इस प्रकार के कार्यक्रमों को आयोजन अत्यन्त ही प्रेरणादायी है। इसके साथ साथ शहीदों की स्मृति में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें देवकाली वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि श्री चन्दन सिंह एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा शहीदों की स्मृति में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त सच्चिदा नन्दसिंह, पार्षद प्रतिनिधि चन्दन सिंह, सम्मानित नागरिक गण, छात्र छात्राएं एवं निगम के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस पार्टी ने निकाली रैली

अवध की अवाज

उरई (जालौन) आज दिनांक 10 अगस्त 2021 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महासचिव एवं यूपी प्रभारी आदरणीय प्रियंका गाँधी जी के और उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू जी के आवाहन परअगस्त क्रांति के दिन भाजपा गद्दी छोड़ो मार्च कालपी विधानसभा के विभिन्न मार्गों से होकर निकली। जिस प्रकार पिछले साढ़े चार सालों से भाजपा सरकार में मॅहगाई बड़ी,जिस प्रकार प्रदेश के विभिन्न जनपदों में महिलाओं के साथ दुष्कर्म हुआ,पेट्रोल,डीजल और रसोई गैस की कीमत आसमान छू रही है प्रदेश का युवा सड़को पे है। इसको लेकर विशाल मार्च विधानसभा कालपी में निकाला गया कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह सरसेला जी ने कहा कि आज समाज का हर वर्ग इस सरकार से प्रताड़ित है। महिलाएँ हैवानों का शिकार हो रही है न्याय के लिए भटक

रही है युवाओ पर लाठियां भांजी जा रही है और उन्होंने कहाँ की मैं अब तक 8 बार तेल का मूल्य बढ़ाया गया है और पिछले महीने इसे 16 बार बढ़ाया गया था। पेट्रोल के खुदरा बिक्री मूल्य का 60: और डीजल पर 54: से अधिक टैक्स वसूला जाता है। मोदी सरकार पेट्रोल पर 32.90 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 31.80 रुपए प्रति लीटर उत्पाद शुल्क वसूलती है। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता योगेंद्र नारायण शुक्ल ,पूर्व ब्लॉक प्रमुख श्री अशोक द्विवेदी जी ,कदौरा चेयरमैन सुजाउल हसन ,शहर उपाध्यक्ष उरई मो फैजान हक ,ब्लॉक अध्यक्ष राजा पाण्डेय, ने संयुक्त रूप से कहा कि आज प्रदेश की जनता त्राहि त्राहि है और जनता इस बार विज्ञापन नही विकास चाह रही है और कहा कि हमारा गठबंधन प्रदेश की गरीब जनता से है। कदौरा नगर अध्यक्ष बशारत हाशमी,धर्मेंद्र सलोनिया ने संयुक्त रूप से कहा कि कांग्रेस 2022 में कांग्रेस को बहुत उम्मीदों से देख रही है और विश्वास है कि हमी को समर्थन देगी कार्यक्रम में उपस्थित योगेंद्र नारायण शुक्ला वैध जी , शरद शुक्ला जी , आदित्य नगाइच प्रदेश सचिव सोशल मीडिया , अरविंद शुक्ला जी , लक्ष्मण सिंह जी , भूरे नौशाद , भगवान दास खटीक प्रदेश महासचिव , राम शंकर नन्ना , आदिल , श्री राम बाथम , शंकर लाल बाथम , देवेंद्र पाठक ,अमित पांडेय , ऋषभ चतुर्वेदी , मेराज , दाऊ चौहन जिलाध्यक्ष सोशल मीडिया समेत सैकडों कॉंग्रेसी मौजूद रहे।

सर्विलांस/एसओजी टीम ने खोये हुए 07 लाख की कीमत के 51 मोबाइलों को बरामद कर उनके स्वामियों को किया सुपुर्द

अवध की आवाज ब्यूरा

कहोबा चौराहा गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने खोये हुए मोबाइलों की शीघ्र बरामदगी कर उनके स्वामियों को सुपुर्द करने के निर्देश सर्विलांस/एसओजी टीम को दिए थे। जिसके परिपेक्ष्य में सर्विलांस टीम ने खोये हुए प्रत्येक मोबाइल की लगातार ट्रैकिंग की गयी तथा ट्रेस होने पर एसओजी टीम द्वारा जनपद के विभिन्न स्थानों से मोबाइलों को बरामद किया गया। सर्विलांस व एसओजी टीम द्वारा खोये हुए मोबाइलो की बरामदगी के लिए किये गए प्रयासों के फलस्वरूप कुल–51 खोये हुए विभिन्न कम्पनियों जैसे– वीवों,रेडमी,ओप्पो,सैमसंग रियलमी आदि मोबाइल बरामद करने पर पुलिस अधीक्षक गोण्डा ने पुलिस कार्यालय में उनके स्वामियो को बुलाकर सुपुर्द किया। बरामद किए गए समस्त मोबाइलों की अनुमानित मूल्य लगभग 07 लाख रुपये है। पुलिस अधीक्षक गोंडा में खोए हुए मोबाइल को बरामद करने वाली सर्विलांस/एसओजी टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा भी की है।

अलग अलग सड़क दुर्घटना में 4 घायलो को भिजवाया गया असप्ताल

अवध की आवाज

कदौरा/जालौन। जोल्हूपुर हाइवे में अलग अलग जगह दुर्घटना में 4 लोग घायल हो गया वही अन्य जगह ट्रक पलटने से चालक घायल हो गया जिन्हें आनन फानन सीएचसी भिजवाया गया। ज्ञातव्य हो कि थाना कदौरा क्षेत्र जोल्हूपुर हाइवे ग्राम बबीना में आयोजित नवोदय परीक्षा में सुरक्षा के लिए खड़ी कोबरा पुलिस की बाइक से अन्य बाइक सवार आकर टकरा गया जिसमें उक्त बाइक सवार खुद घायल हो गया जिसे खुद पुलिस द्वारा असप्ताल ले जाकर उपचार करवाया गया वही चतेला तिराहे के समीप कदौरा से बबीना की ओर जा रहे बाइक सवार गाय से टकरा जाने पर घायल हो गए जिन्हें असप्ताल भिजवाया गया बताया गया कि दोनों युवक ताहरपुर ग्राम के निवासी थे। वही जोल्हूपुर क्रासिंग के पास ट्रक रोड से किनारे धंस जाने से पलट गया जिसमें चालक अजय कुमार

निवासी बबीना चुटहिल हो गया जिसे देख बचाव में दौड़े लोगो द्वारा युवक को ट्रक से निकाला गया जिसकी सूचना मिलते ही परिजनों द्वारा उपचार के लिए ले जाया गया।वही सड़क के पास पलटे ट्रक से कुछ देर तक यातायात बाधित हो गया।

कुठौंद (जालौन) । विकास कुठौंद के बाढ़ ग्रसित ग्राम खरमुखा में आज कॉपरेटिव बैंक के अध्यक्ष उदय पिंडारी अपने टीम के साथ खरमुखा गाँव पहुचे जहाँ पर यमुना बाढ़ पीड़ित ग्रामीणों से मुलाकात की।उनका हाल जाना और उनके दर्द को महसूस किया पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री के पैकिट बाटे और उनके जानवरो के लिए खली के कपिलापशुहर की बारी भी दी।

उन्नाव। उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन वामा सारथी की प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गोयल के निर्देशन में तीज उत्सव के अंतर्गत मेंहदी, स्वनिर्मित राखी और पूजा थाली निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन नवागत पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय के संयोजन में हुआ।

मा० मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार मेगा क्रेडिट कैम्प का आयोजन जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। (सू0वि0) मा० मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार दिनांक 11–08–2021 को मेगा क्रेडिट कैम्प का आयोजन जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। अग्रणी जिला प्रबंधक अनल कुमार द्वारा बताया गया कि मेगा क्रेडिट कैम्प के अन्तर्गत सीतापुर जिले को 100 करोड़ का लक्ष्य मिला था जिसमें से जिले के सभी बैंको दवारा 55.34 करोड़ का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है। जिस पर अध्यक्ष महोदय द्वारा लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिये। उप अग्रणी जिला प्रबंधक प्रीति पाण्डेय के द्वारा अवगत कराया गया कि मेगा क्रेडिट कैम्प में जिले के सभी बैंकों द्वारा लाये गये सरकारी योजनाओं जैसे ओ०डी०ओ०पी०, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, पी०एम०ई०जी०पी०, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, बाबा साहेब अम्बेडकर

योजना, एम०एस०एम०ई० एवं एन०आर०एल०एम० में समूहों के सी०सी०एल० आदि आवेदकों को ऋण स्वीकृत कराया गया है। तदुपरान्त, जिलाधिकारी महोदय सीतापुर के द्वारा ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने लाभार्थियों से वार्ता कर पूर्ण निष्ठा के साथ ऋण का सदुपयोग करने के लिए भी लाभार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अगर कोई समस्या आ रही है तो मुझे अवगत करायें। बैठक के दौरान एल0डी0एम0 प्रीती पाण्डेय, अग्रणी जिला प्रबन्धक अनल कुमार, सभी बैंकर्स जिला समन्वय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

काल्विन ताल्लुकेदार्स कालेज प्रभावशाली छात्रों को किया गया सम्मानित

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। बुधवार को अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बृजेश सिंह जी के आगमन पर जिलाध्यक्ष गोंडा हरि ओम सिंह द्वारा माला पहनाकर, बुके देकर स्वागत किया गया । उसके बाद डीएलए (देवीपाटन मंडल) गणेश चंद्र श्रीवास्तव और औषधि निरीक्षक बलरामपुर एवम बहराइच राजू प्रसाद जी से मुलाकात करके फार्मासिस्ट साथियों को हो रही समस्याओं से अवगत कराया गया। गोंडा औषधि निरीक्षक प्रीति सिंह की कार्यशैली फार्मासिस्ट विरोधी है और उनका लाइसेंस संबंधी कार्य संदिग्ध है मंडल में रिटेल का लाइसेंस शासन के निर्देशानुसार 24 घंटे में जारी होना चाहिए और होलसेल का लाइसेंस 15 दिन के अंदर जारी होना चाहिए लेकिन शासन के आदेश का अनुपालन नहीं हो रहा है जिसके लिए शख्त लहजे में चेतावनी दी गई की लाइसेंस संबंधित कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और फार्मासिस्ट का उत्पीड़न नही होने दिया जाएगा जिस पर डीएलए द्वारा 24 घंटे में लाइसेंस जारी करने का आश्वासन दिया गया है और होलसेल का लाइसेंस 15 दिन में जारी किया जाएगा। साथ में जिलाध्यक्ष श्रावस्ती महफूज खान ,जिलाध्यक्ष बलरामपुर जैनुल बक्सर और के कई अन्य फार्मासिस्ट भी मौजूद रहे।

अवध कि आवाज हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
जाजमऊ चौकी में अखिलेश मिश्रा जी को अवध की आवाज का पेपर भेंट करते हुए अंकित तिवारी,,,,संतोष कुमार

छत की कुंडी से लटकता मिला दुकानदार का शव, हत्या और आत्महत्या के बीच उलझा मामला

संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश के संतकबीरनगर जिले के महुली थाना क्षेत्र के परशुरामपुर गांव में बुधवार को संदिग्ध परिस्थियों में छत की कुंडी से रस्सी के सहारे लटकता हुआ बिल्डिंग मैटीरियल दुकानदार का शव मिला है। जिससे गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस के पहुंचने से पहले परिजन रस्सी को काटकर शव को नीचे उतार दिया था। कमरे का दरवाजा भी खुला हुआ था। दुकानदार की मौत की गुत्थी हत्या और आत्महत्या के बीच उलझ कर रह गई है। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। पोस्टमार्टम की तैयारी शुरू कर दिया था। पुलिस और ग्रामीणों की माने तो मृतक शराबी प्रवृत्ति का था। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम परशुरामपुर निवासी 36 वर्षीय दिलीप पटेल उर्फ शेरू पुत्र गोरखनाथ परिवार का जियोपार्जन चलाने के लिए बगल चौराहा नाथनगर में बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान चलाता था। पत्नी रीता देवी के अनुसार मंगलवार की देर शाम भोजन के बाद पति अकेले कमरे में सोने चला गया। परिवार के अन्य सदस्य छत पर सोने गए। मंगलवार

को काफी देर तक जब दिलीप पटेल कमरे से बाहर नहीं निकला, तो जगाने के लिए पत्नी रीता देवी कमरे में पहुंची, तो उसके पैर के नीचे से जमीन खिसक गई। दरवाजा खुला हुआ था। दिलीप का शव छत की कुंडी से रस्सी के सहारे लटक रहा था। चीखने– चिल्लाने पर परिजन जुट गए। आनन फानन शव को रस्सी काटकर नीचे उतार दिया। दिलीप के गले पर रस्सी का निशान था। सूचना पर भारी संख्या में ग्रामीण जुट गए। पूर्व प्रमुख दिगपाल पाल, महीप पाल भी पहुंच गए। इंस्पेक्टर रणविजय सिंह मय फोर्स पहुंच गए। पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराने की तैयारी शुरू करा दिया। इस मामले में हत्या और आत्महत्या की चर्चाओ का बाजार गर्म रहा। एसओ रणविजय सिंह ने बताया कि मृतक शराब का आदी था। शराब पीकर घर में बिवाद करता था। मृतक की पत्नी उसके डर से अन्य परिजनों के साथ प्रथम तल पर सोई थी।

मुरादाबाद : डिवाइडर से टकराकर डबल डेकर बस खाई में पलटी, 20 यात्री घायल

मुरादाबाद, (वेबवार्ता)। मूंढापांडे थानाक्षेत्र में मंगलवार की देर रात को दिल्ली–लखनऊ राष्ट्रीय राज्यमार्ग पर डबल डेकर बस खाई में पलट गई। हादसे में 20 लोग घायल है, जिन्में दस लोगों की हालात गंभीर बताई जा रही है। बस में करीब 100 से अधिक लोग सवार थे। इस घटना का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लेकर अधिकारियों मौके पर पहुंचकर पीड़ितों यथासंभव मदद करने के निर्देश दिए है।

थाना प्रभारी नवाब सिंह के मुताबिक, डबल डेकर बस मंगलवार की रात को सीतापुर से पानीपत जा रही थी। इसमें करीब 130 सवारी थे। बस रामपुर से निकलकर मूंढापांडे क्षेत्र में सिहोरा बाजे गांव के पास पहुंची थी, तभी अचानक बस किसी वाहन से टकराने के बाद डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में चालक अपना नियत्रंण खो बैठा और अनियंत्रित बस दूसरी साइड में जाकर खाई में पलट गई। हादसे के बाद यात्रियों में चीख पुकार मच गई। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने राहत बचाव का कार्य करते हुए घायलों को एंबुलेंस के जरिये रामपुर और मुरादाबाद भेजा गया है। घायलों में 10 की हालत गंभीर है। मुरादाबाद के जिला अस्पताल में मोनू, अनिल, रामौतार, सौरभ, मनोज, पूजा, प्रतीक, शादाब, रूपरानी, संगीता, मालती व रामसेवक को भर्ती कराया गया है।

सीओ इंदु सिद्धार्थ ने बताया कि घायलों का जिला अस्पताल में बेहतर उपचार कराया जा रहा है। वहीं, रामपुर के अस्पताल में करीब आठ से दस लोगों को भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि बस में सवार लोग मजदूर हैं। वे काम पर सोनीपत जा रहे थे। घटना के बाद से बस का चालक फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

विजय लसह मर्तोलिया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस ने भाजपा गद्दी छोड़ो का आह्वाहन किया

अवध की आवाज ब्यूरो

कानपुर। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के तत्वधान में अनुराग पाल राष्ट्रीय सचिव के नेतृत्व में बिठूर विधानसभा मकसूदाबाद में विजय सिंह मर्तोलिया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस

ने भाजपा गद्दी छोड़ो का आह्वाहन किया जिसमें 500 कांग्रेस के सिपाहियों ने भाग लिया और पैदल मार्च किया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विजय सिंह मर्तोलिया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस थे। आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भावी महापौर प्रत्याशी विजय सिंह मर्तोलिया ने कहा भाजपा प्रदेश और केंद्र में बुरी तरीके से फेल हो चुकी है। क्योंकि दिन प्रतिदिन महंगाई बढ़ती जा रही है और आम जनमानस की परेशानियां भी बढ़ती जा रही है डीजल पेट्रोल तो महंगा हो ही रहा है साथ में खाद्य सामग्री भी महंगी हो रहे हैं। कड़वा तेल आम जनमानस की पहुंच से बाहर हो रहा है। जिससे किसान, मजदूर, रेडी वाले रिक्शेवाले पान की गुमटी वाले असंगठित क्षेत्र के मजदूरों का जीना दूभर हो गया है। भाजपा सिर्फ सरकारी कंपनियों को बेचने का काम कर रही है। और गिने–चुने उद्योग पतियों को फायदा पहुंचाने का काम कर रही है जोकि बहुत शर्मनाक और निंदनीय है भाजपा सरकार को तत्काल प्रभाव में गद्दी छोड़ देनी चाहिए और पुनः चुनाव कराना चाहिए चुनाव होते ही पता चल जाएगा भाजपा के काले कारनामों का खुलासा होगा और जिन्होंने भी भ्रष्टाचार किया भ्रष्टाचारी निश्चित तौर पर जेल की सलाखों के पीछे होंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विजय सिंह मर्तोलिया अनुराग पाल राजीव द्विवेदी नरेंद्र चंचल कुशवाहा गौरव द्विवेदी सुमित गुप्ता अजय तिवारी मोहम्मद अरशद आदि लोग मौजूद रहे।

अयोध्याः मणि पर्वत मेले के साथ शुरू हुआ सावन झूला मेला, सामूहिक सरयू स्नान पर पाबंदी

अयोध्या, (वेबवार्ता)। मणि पर्वत मेला से बुधवार को राम नगरी का सावन झूला मेला शुरू हो गया है। कोरोना महामारी को देखते हुए जिला प्रशासन ने मंगलवार की रात से श्रद्धालुओं से राम की नगरी खाली कराई गई। देर रात प्रशासन ने मंदिरों से अपील की, कि अयोध्या में भीड़ न बढ़ने दिया जाए और बाहर से आए श्रद्धालुओं को समझा–बुझाकर प्रशासन ने वापस उनके घरों को भेजा गया।

कोरोना की तीसरी लहर को ध्यान में रखते हुए सावन मेले में बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने निर्णय लिया है कि सामूहिक सरयू स्नान नहीं करने दिया जाएगा और इस पर सख्ती से पाबंदी भी लगाई गई है। अब अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को नेगेटिव कोरोना की लेटेस्ट रिपोर्ट देना होगा। परंपरा को मंदिरों के अंदर ही निभाना रहेगा। मंदिर प्रबंधन मंदिर परिसर में ही भगवान को झूलोत्सव का आनंद कराएंगे।

सावन झूला मेला के प्रथम दिन सावन शुक्ल तृतीया को मणि पर्वत का प्राचीन मेला लगता है। अयोध्या के सभी प्रमुख मंदिरों के विग्रह मणि पर्वत जाते हैं। मणि पर्वत पर भगवान के विग्रह को झूला झुलाया जाता है। इस बार कोविड–19 देखते हुए अयोध्या के मंदिरों के विग्रह मणि पर्वत नहीं जाएंगे। प्रशासन के अनुरोध पर मणि पर्वत पर मेले की दुकानें नहीं लगेगी। आज से सावन झूला मेला शुरू हो गया है। नगर के सभी मंदिरों में झूले पड़ेंगे, जहां भगवान झूलनोत्सव का आनंद लेंगे। आज से सावन भर यह उत्सव चलेगा।

बताते चलें कि, कोविड–19 महामारी के चलते बीते दो साल से राम की नगरी में मेलों पर पाबंदी लगी हुई हैं। इस वर्ष भी अयोध्या में श्रद्धालुओं को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है और पाबंदी का सख्ती से पालन कराया जा रहा है।

लखनऊ से नई दिल्ली के बीच चलने वाली तेजस एक्सप्रेस में महिलाओं को मिलेगी विशेष छूट

लखनऊ, (वेबवार्ता)। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) लखनऊ से नई दिल्ली के बीच चलने वाली तेजस एक्सप्रेस में महिलाओं को 15 से 24 अगस्त के बीच सफर करने पर पांच प्रतिशत की विशेष छूट(कैशबैक) देगा। यह छूट महिला यात्रियों के उसी खाते में आएगा जिससे टिकट बनाया जाएगा।

भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम के मुताबिक, महिला यात्रियों को 15 अगस्त से 24 अगस्त तक तेजस एक्सप्रेस में यात्रा करने पर पांच प्रतिशत की विशेष छूट दी जाएगी। तेजस एक्सप्रेस पहले से ही यात्रियों को कई तरह की नई सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। तेजस में यात्रा के दौरान यदि किसी यात्री का जन्मदिन होता है तो आईआरसीटीसी की ओर से ट्रेन में ही केक काटा जाता है। साथ ही त्योहारों पर आईआरसीटीसी यात्रियों का सफर यादगार बनाने के लिए गिफ्ट भी देता है।

लखनऊ जंक्शन से नई दिल्ली के बीच चार महीने के बाद गत सात अगस्त से तेजस एक्सप्रेस का दोबारा संचालन शुरू हुआ है। आईआरसीटीसी ने अब रक्षाबंधन के त्योहार पर महिला यात्रियों को आकर्षित करने के लिए किराए में पांच प्रतिशत की विशेष छूट की पेशकश की है। यह छूट महिला यात्रियों को तेजस एक्सप्रेस के चेयरकार और एग्जीक्यूटिव दोनों ही क्लास में सफर के लिए मिलेगा। कैशबैक टिकट बनने के बाद उसी क्रेडिट और डेबिट कार्ड में स्वतः चला जाएगा जिससे टिकट के किराए का भुगतान किया जाएगा। आईआरसीटीसी के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि तेजस एक्सप्रेस में यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में महिला यात्रियों के लिए आईआरसीटीसी ने यह खास पेशकश की है। यह कैशबैक ऑफर 15 से 24 अगस्त तक के लिए है।

परफॉर्मेंस ग्रांट योजना में चयनित गांव बनेंगे मॉडल, अपनाई जाएगी ई–निविदा प्रक्रिया : जिलाधिकारी

गोरखपुर, (वेबवार्ता)। गोरखपुर के जिलाधिकारी विजय किरण आनंद ने बुधवार को परफार्मेंस ग्रांट की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि इन गांवों के विकास कार्य के लिए ई–निविदा प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसलिए सम्बंधित विभाग शासन के दिशा–निर्देशों को ध्यान में रखते हुए इसकी तैयारी शुरू कर दें। जिलाधिकारी सभागार में बुधवार को होने वाली समीक्षा बैठक के दौरान अध्यक्षता कर रहे डीएम विजय किरन आनंद ने कहा कि परफॉर्मेंस ग्रांट योजना के तहत चयनित गांवों को मॉडल गांव के रूप में विकसित करना ही योजना का लक्ष्य है। चयनित गांवों का विकास शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। इसलिए सम्बंधित अधिकारी अभी से यह सुनिश्चित करें कि योजना के तहत होने वाले विकास कार्य शासन द्वारा निर्धारित प्रारूप के मुताबिक ही पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि योजना के लिए बनाए गए वित्तीय और प्रशासनिक नियमों का पालन सुनिश्चित करना संबंधित विभागों के जिम्मेदारों का दायित्व है। चेतावनी देते हुए डीएम ने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं चाहिए और उन्हें निर्धारित समय–सीमा के भीतर पूरे करने होंगे। यह कार्य निविदा ई–निविदा प्रक्रिया का पालन करते हुए करना है। बैठक में डीपीआरओ हिमांशु शेखर ठाकुर और सम्बंधित विभागों के विभागाध्यक्ष शामिल रहें।

मुरादाबाद : डिवाइडर से टकराकर डबल डेकर बस खाई में पलटी, 20 यात्री घायल

मुरादाबाद, (वेबवार्ता)। मूंढापांडे थानाक्षेत्र में मंगलवार की देर रात को दिल्ली–लखनऊ राष्ट्रीय राज्यमार्ग पर डबल डेकर बस खाई में पलट गई। हादसे में 20 लोग घायल है, जिन्में दस लोगों की हालात गंभीर बताई जा रही है। बस में करीब 100 से अधिक लोग सवार थे। इस घटना का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लेकर अधिकारियों मौके पर पहुंचकर पीड़ितों यथासंभव मदद करने के निर्देश दिए है।

थाना प्रभारी नवाब सिंह के मुताबिक, डबल डेकर बस मंगलवार की रात को सीतापुर से पानीपत जा रही थी। इसमें करीब 130 सवारी थे। बस रामपुर से निकलकर मूंढापांडे क्षेत्र में सिहोरा बाजे गांव के पास पहुंची थी, तभी अचानक बस किसी वाहन से टकराने के बाद डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में चालक अपना नियत्रंण खो बैठा और अनियंत्रित बस दूसरी साइड में जाकर खाई में पलट गई। हादसे के बाद यात्रियों में चीख पुकार मच गई। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने राहत बचाव का कार्य करते हुए घायलों को एंबुलेंस के जरिये रामपुर और मुरादाबाद भेजा गया है। घायलों में 10 की हालत गंभीर है। मुरादाबाद के जिला अस्पताल में मोनू, अनिल, रामौतार, सौरभ, मनोज, पूजा, प्रतीक, शादाब, रूपरानी, संगीता, मालती व रामसेवक को भर्ती कराया गया है। सीओ इंदु सिद्धार्थ ने बताया कि घायलों का जिला अस्पताल में बेहतर उपचार कराया जा रहा है। वहीं, रामपुर के अस्पताल में करीब आठ से दस लोगों को भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि बस में सवार लोग मजदूर हैं। वे काम पर सोनीपत जा रहे थे। घटना के बाद से बस का चालक फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

प्रदेश में फिर पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा में बदलाव, अब 31 अगस्त से होगी शुरू

लखनऊ, (वेबवार्ता)। यूपी में पॉलिटेक्निक की परीक्षा कराने वाली ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद ने फिर एक बार प्रवेश परीक्षा के कार्यक्रम में बदलाव किया है। इस बार परीक्षा की तिथि आगे न बढ़ाकर और पहले की गयी है। पहले 09 से 14 सितम्बर तक होनी थी लेकिन अब इसे 31 अगस्त से 04 सितम्बर तक कराने का फैसला किया गया है। परीक्षा का कार्यक्रम संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद ने वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। प्रभारी सचिव राम रतन ने बुधवार को बताया कि यह बदलाव शैक्षणिक सत्र नियमित करने के लिए किया गया है। इस बार प्रवेश परीक्षा तीन पालियों में सुबह 8:00 से 10:30 तक, दोपहर 12:00 से 2:30 तक और शाम 4:00 से 6:30 बजे तक पूर्ण रूप से ऑनलाइन होगी। 31 अगस्त, एक व दो सितंबर को ग्रुप ए की परीक्षा होगी। तीन सितंबर को ई–1 ग्रुप, चार सितंबर को पहली पाली में ई–2 ग्रुप, दूसरी पाली में बी, सी, डी, एफ, जी, एच व आई ग्रुप और तीसरी पाली में के ग्रुप की परीक्षा होगी।

विवाहिता से दुष्कर्म में तीन को बीस–बीस साल का कारावास

बरेली (वेबवार्ता)। बरेली जिला अदालत के फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम के अपर जिला सत्र न्यायाधीश ने विवाहिता से बलात्कार के मामले में शहर के थाना सुभाष नगर अंतर्गत चौबारी गांव के तीन युवकों को 20–20 साल कैद की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष के वकील संतोष श्रीवास्तव ने बुधवार को बताया कि पीड़िता ने प्राथमिकी में कहा था कि 28 अक्टूबर 2014 को वह जंगल में घास काटने गई थी। महारो नाले के पास मौजूद चौबारी गांव के चमन (25), ओमवीरः (22) और अमित (22) ने उससे गाली–गलौज की और तमंचे के बल पर पहले चमन ने और फिर ओमवीर और अमित ने उससे बलात्कार किया। अभियोजन पक्ष की ओर से मामले में कुल चार गवाह पेश किए गए। इस पूरे मुकदमे में तथ्य की साक्षी केवल पीड़िता ही थी। अदालत ने मंगलवार को तीनों अभियुक्तों को 20–20 साल कैद की सजा सुनाई। इसके अलावा प्रत्येक दोषी पर 20–20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। अदालत ने जुर्माने की राशि पीड़िता को देने का आदेश दिया।

सम्पादकीय

जलवायु परिवर्तनः आखिर कब संभलेंगे हम?

इस बात की गारंटी है कि चीजें और बिगड़ने जा रही हैं। मैं ऐसा कोई क्षेत्र नहीं देख पा रही, जो सुरक्षित है। कहीं भागने की जगह नहीं रहेगी और न ही कहीं छिपने की गुंजाइश रहने वाली है।

यह अमेरिकी वरिष्ठ जलवायु वैज्ञानिक लिंडा मर्न्स का कहना है। संयुक्त राष्ट्र यानी यूएन की तरफ से सोमवार को एक रिपोर्ट जारी की गई, इसे मानवता के लिए कोड रेड अलर्ट का नाम दिया गया है। बता दें कि जलवायु परिवर्तन पर अंतर–सरकारी पैनल के तहत दुनिया भर के 234 विज्ञानियों ने तीन हजार से ज्यादा पन्नों की यह रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट के जरिए जलवायु परिवर्तनों को लेकर गंभीरतापूर्वक चेताया गया है।

रिपोर्ट में इस बात का दावा किया गया है कि यदि दुनिया में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कोई कमी नहीं की गई तो वर्ष 2100 तक धरती का तापमान दो डिग्री तक बढ़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पांच दशकों में एकबार आने वाली प्रचंड लू अब हर एक दशक के भीतर आ रही है। यदि तापमान में एक डिग्री का और इजाफा हुआ तो ऐसा प्रत्येक सात साल में एकबार होने लग जाएगा। वहीं आर्कटिक, ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियर और बर्फीली चट्टानें बहुत तेजी से पिघलेंगी। बड़े पैमाने पर लू के थपेड़ों के साथ सूखा, भारी बारिश की वजह से बाढ़ जैसी स्थिति पैदा होगी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हिंद महासागर, दूसरे महासागरों की तुलना में तेजी से गर्म हो रहा है। रिपोर्ट की सह–अध्यक्ष और फ्रांस की जलवायु विज्ञानी वैलेरी मैसन डेल्सोट ने कहा, रिपोर्ट दिखाती है कि हमें अगले दशक में ज्यादा गर्म जलवायु के लिए तैयार रहना होगा। हालांकि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को रोककर हम कुछ बहुत बड़ी तस्वीरों को बदल सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि तापमान में वृद्धि के लिए कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन जैसी गैसों का उत्सर्जन जिम्मेदार है।

एक अन्य अध्ययन के मुताबिक, बढ़ते ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन से महासागर का पानी अब गर्म, अधिक अम्लीय और कम ऑक्सीजन क्षमता वाला हो गया है। जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली प्राकृतिक आपदाएं चरम पर है। बीसवीं सदी की शुरुआत से अबतक 13.3 लाख लोगों की जान ले चुके तूफान समुद्र के गर्म होने के साथ और तीव्र होते जा रहे हैं। समुद्री स्तर बढ़ने से तटीय क्षेत्र में बाढ़ गंभीर होती जा रही है। सदी के अंत तक ढाई लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्रों में बाढ़ से लाखों लोगों पर खतरे का अनुमान है। वहीं, पिछले 40 वर्षों में आर्कटिक में समुद्री बर्फ पतली हो गई है। इसकी सीमा में 13 फीसदी की कमी आई है और मोटाई 1.75 मीटर कम हुई है। समुद्री खाद्य पदार्थ प्रोटीन और पोषक तत्वों का प्रमुख स्रोत है। अनुमान है 2050 तक इन खाद्य पदार्थ में गंभीर कमी आ सकती है।

माइक्रोप्लास्टिक्स पारा, औद्योगिक रसायन और अन्य विषाक्त पदार्थों ने महासागरों को बड़े पैमाने पर प्रदूषित किया है। समुद्र प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले जीवों को आश्रय देता है। लेकिन प्रदूषण ने इनके ऊपर खतरे को बढ़ा दिया है।

ऐसे में यह कहा जा सकता है कि यदि समय रहते ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती नहीं की गई, तो दुनिया को निकट भविष्य में बहुत बड़े संकट से दो–चार होना पड़ेगा। हम सब यह बखूबी जानते हैं कि समुद्र का तापमान क्यों बढ़ रहा है? इसके पीछे की वजह साफ है पर्यावरण में ग्रीनहाउस गैंसों का बढ़ना। ऐसे में, अब दरकार इस बात की है कि हमें ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को नियमित रूप से कम करना होगा। लेकिन, जब भी ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने का सवाल उठता है तो इस मसले पर होने वाले वैश्विक सम्मेलनों में इसका ठीकरा विकासशील देशों पर फोड़ दिया जाता है और सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जित करने वाले अमीर और विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं।

सवाल उठता है कि कार्बन उत्सर्जन के मुद्दे पर विकसित और अमीर देशों के मौजूदा रुख के बने रहते क्या हम इससे पैदा होने वाली स्थिति में किसी सुधार की उम्मीद कर सकते हैं ? इसके बावजूद इस मसले पर वैश्विक स्तर पर चिंता जताने और हालात में सुधार होने की उम्मीद में कमी नहीं होती है। अगर हम ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को स्थायी रूप से कम करते जाने की पुख्ता व्यवस्था कर लेते हैं तो यह बहुत हद तक संभव है कि हम भविष्य में ऐसी आने वाली विपदाओं से बच सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि हम पारिस्थितिकी संतुलन को बनाए रखने के लिए अधिकाधिक भूमि पर पौधारोपण करें। पारिस्थितिकी संतुलन और स्थाई विकास को बनाए रखने के लिए वनों, द्वीप समूहों, तटवर्ती क्षेत्रों, नदियों, कृषि, शहरी पर्यावरण और औद्योगिक पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी प्रणालियों पर भी गौर करना होगा। आज जलवायु में परिवर्तन के कारण चक्रवात, बाढ़ तथा सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाएं आने की प्रबलता बढ़ी है। ऐसे में, एक सतत एवं प्रभावी तरीके से इन चुनौतियों से निपटने के लिए जलवायु परिवर्तन के अनुकूल क्रियाओं को प्रोत्साहित और संवर्धित करने की जरूरत है।

आर्थिक सुधारों के तीस वर्ष

–डा. वरिंदर भाटिया–

हाल ही में 24 जुलाई को देश को नाखुशगवार आर्थिकी के संकटों से निकालने वाले आर्थिक सुधारों के तीस बरस पूरे हो गए हैं। इस देश में आर्थिक सुधारों की बात हो तो पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह का नजरिया नजरअंदाज किया जाना मुश्किल है। डा. मनमोहन सिंह को आर्थिक विषयों के विशेषज्ञ होने के कारण भारत के आर्थिक सुधारों का जनक माना जाता है, जिन्होंने वित्त मंत्री के रूप में 1991 में इन सुधारों की नींव रखी थी। इन सुधारों के 30 साल पूरे होने पर डा. मनमोहन सिंह ने कहा कि देश को आर्थिक प्राथमिकताएं तय करनी चाहिए ताकि सबको स्वस्थ और गरिमामय जिंदगी मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि तीन दशक के आर्थिक सुधारों का ही नतीजा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था तीन खरब डॉलर की हो गई और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गिनी जाती है। आर्थिक सुधारों का ही नतीजा है कि 30 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर किया गया है। आर्थिक सुधारों के बारे में कहा गया है कि एक तत्कालीन आर्थिक संकट से निबटने के लिए आर्थिक सुधार शुरू किए गए थे, पर उसका मूल मकसद आर्थिक विकास, संपन्नता और बेहतर जीवन हासिल करना ही था। इन सुधारों का उद्देश्य आर्थिक विकास की उच्च दर प्राप्त करना, मुद्रास्फीति की दर को कम करना, चालू खाता घाटा कम करना और भुगतान संकट के संतुलन को खत्म करना था। आर्थिक सुधारों की महत्त्वपूर्ण विशेषताएं उदारता, निजीकरण और वैश्वीकरण थे, जिन्हें लोकप्रिय रूप से एलपीजी के रूप में जाना जाता है।

1991 की आर्थिक नीति के बाद गरीबी में 1.36 फीसदी की दर से कमी आई थी। 1991 के आर्थिक सुधारों ने भारत को ग्लोबल लीडर के रूप में बदल दिया था। दीर्घकालीन औपनिवेशिक शासन के फलस्वरूप भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद एक ऐसी अर्थव्यवस्था विरासत में मिली थी जिसमें सीमित उद्योगीकरण, निम्न कृषि उत्पादन, अल्प प्रति व्यक्ति आय तथा मंद आर्थिक विकास गति जैसी नकारात्मक विशेषताएं मौजूद थी। अशिक्षा, संकीर्णता तथा सामाजिक असमानता इसके अन्य प्रमुख तत्त्व थे। अनेक आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि साल 1991 से शुरू आर्थिक सुधार महज बाजार को मिले फायदे का सौदा नहीं था, बल्कि पूरी तरह से राज्य की लोक कल्याणकारी प्रकृति को बदल देने वाला कदम था। आज इन आर्थिक सुधारों के तकरीबन 30 साल हो गए हैं। इन आर्थिक सुधारों के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था आज तक किस राह पर चल रही है, उसकी आलोचनात्मक पड़ताल जरूरी है। गहन आर्थिक विषय को सिंपल तरीके से समझें तो साल 1991 में भारत की तंगदिल अर्थव्यवस्था को पूरी दुनिया के लिए खोल दिया गया। दुनिया के किसी भी कोने से भारत में निवेश किया जा सकता है। भारत की कंपनियों का मालिकाना हक दूसरे देश के निवासियों के हाथ में भी जा सकता है। आजादी के बाद का भारतीय राज्य अपने लोगों को संभालने के लिए घरेलू बाजार पर कई तरह के प्रतिबंध लगाकर काम कर रहा था। इसके पीछे सोच यही थी कि भारत एक गरीब मुल्क है, यहां सब कुछ सबके लिए खुले तौर पर खोला नहीं जा सकता है। यह सोच बिल्कुल जायज थी। लेकिन साल 1991 के आर्थिक सुधारों से इन प्रतिबंधों को भी हटा दिया गया। इस तरह से भारतीय राज्य उदारीकरण और निजीकरण के रास्ते पर चल पड़ा। धीरे–धीरे भारतीय राज्य यह खुलकर कहने लगा कि राज्य का काम और बाजार का काम अलग–अलग है। सब कुछ राज्य नहीं कर सकता है। आज भी यह बात दोहराई जा रही है कि राज्य का काम बिजनेस करना नहीं है। कुछ अर्थशास्त्री मानते हैं कि आर्थिक सुधारों से पहले जब राज्य के पास अपने लोगों की भलाई को ध्यान में रखते हुए किसी भी तरह के फैसले का अधिकार था, तब वह सबसे ऊपर था। उसके पास इसकी पूरी संभावना थी कि मजदूर और किसान वर्ग या किसी भी तरह से कमजोर लोग शोषण का शिकार न बनें। राज्य के भीतर भले पूंजीवादी किस्म का विकास क्यों न होता, लेकिन राज्य उस पर प्रतिबंध लगा सकता था। परंतु खुद राज्य ने ऐसी नीति अपना ली थी कि वह बाजार में दखलअंदाजी नहीं करेगा।

इसका सबसे खतरनाक परिणाम कृषि क्षेत्र पर पड़ा है। लोन के जरिए वित्तीय पूंजी का सिस्टम बन रहा है। ऐसे सिस्टम में वही आगे बढ़ते हैं जिनके पास खूब पैसा होता है और वह पिछड़ते जाते हैं जिनके पास पैसा नहीं होता, जिनके पास रिस्क उठाने की क्षमता नहीं होती। अगर आंकड़ों के लिहाज से देखें तो बंद भारत को खोलने के बाद भी पिछले 30 सालों में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का जीडीपी में हिस्सा जहां पर पहले था, तकरीबन उतना ही अब भी है। साल 1990–91 में भारत की कुल जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग का हिस्सा 15 फीसदी हुआ करता था। साल 2017–18 में पिछले 30 सालों में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के जीडीपी में हिस्से में अब तक का सबसे अधिक इजाफा हुआ। यह महज कुल जीडीपी का 17.1 फीसदी था। इसके बाद फिर से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कमी दर्ज की गई। साल 1991 के बाद भारत के सभी इलाकों का विकास समान तौर पर नहीं हुआ है। बिहार राज्य की पूरी जीडीपी साल 2017–18 में उतनी ही थी, जितना वह साल 1990 में हुआ करती थी। लेकिन गुजरात की कुल जीडीपी बिहार और झारखंड से भी ज्यादा है। यही हाल दक्षिण के राज्यों के साथ है। उनकी प्रति व्यक्ति आय भारत के बीमारू राज्यों यानी कि बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा से ज्यादा है। आकार के लिहाज से साल 1990 में दुनिया में भारत की अर्थव्यवस्था का स्थान 12वां था। साल 2020 में यह बढ़कर छठवें स्थान पर पहुंच गया। लेकिन जब प्रति व्यक्ति आय के आधार पर देखा जाए तो भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया के 176 देशों के बीच 133वें पायदान पर खड़ी मिलती है। इसका मतलब है कि अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ा है, लेकिन लोगों के जीवन स्तर में बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। साल 1990 में इस पर खूब प्रचार–प्रसार किया गया कि भारत की अर्थव्यवस्था दमदार बनेगी, आयात कम होगा और निर्यात ज्यादा होगा। हकीकत यह है कि साल 1990 में भारत की कुल जीडीपी में निर्यात की हिस्सेदारी तकरीबन 5.6 फीसदी थी। साल 2013–14 में सबसे अधिक बढ़ोतरी से ही इसकी हिस्सेदारी तकरीबन 16 फीसदी के आसपास पहुंची। लेकिन फिर से गिरावट आई।

2020–21 में भारत की कुल अर्थव्यवस्था में निर्यात की हिस्सेदारी महज 10.9 फीसदी है। लेकिन आयात में खूब इजाफा हुआ है। साल 1990 में भारत की कुल जीडीपी में आयात की हिस्सेदारी 7 फीसदी थी। अब बढ़कर 27 फीसदी हो चुकी है। यानी हमने दूसरे देशों से माल और सेवाएं ज्यादा खरीदी हैं और दूसरे देशों में अपने माल और सेवाएं कम बेचे हैं। इसका मतलब यह है कि हमारी वजह से दूसरे देशों को रोजगार ज्यादा मिला है और हमें रोजगार कम मिला है। भ्रष्टाचार को लेकर 1990 के बाद से लेकर अब तक लोगों के जहन में किसी भी तरह का परिवर्तन नहीं हुआ है। अब बात करते हैं गरीबी की। आखिरकार इन 30 सालों में गरीबी की क्या स्थिति रही है? इस पर कोई महत्त्वपूर्ण डाटा उपलब्ध नहीं है। आर्थिक सुधार आज भी देश के लिए बहुत जरूरी हैं। इस दिशा में काम हो रहा है। इसमें कड़वे फैसले लेने में तेजी लानी हितकारी है। स्पष्ट और कटु शब्दों में कहा जाए और पिछले 30 साल के आर्थिक सुधारों का आलोचनात्मक विश्लेषण किया जाए तो यह साफ है कि भारतीय अर्थव्यवस्था कुछ चुनिंदा धन कुबेर लोगों की गिरफ्त में है। आज जिसके पास पैसा है, उसके आगे बढ़ने की संभावना दूसरों से ज्यादा है। आज देश के जमीनी और गरीब आदमी के कल्याण के लिए आर्थिक सुधारों के जरिए आर्थिक विकास की रणनीति को पुनः परिभाषित किए जाने की जरूरत है।

ज्वलंत मुद्दों को लेकर कौंग्रेस ने निकाला अगस्त क्रांति मार्च

अवध की आवाज ब्यूरो

कोंच,जालौन। कौंग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी के आह्वान पर प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के निर्देश पर व जिलाध्यक्ष राजीव नारायण मिश्रा के नेतृत्व में मंगलवार को पूर्व सदर विधायक विनोद चतुर्वेदी की अध्यक्षता में कोंच नगर में अगस्त क्रांति मार्च निकाला गया।

मियागंज स्थित पार्टी कार्यालय से निकाला गया मार्च मुख्य बाजार का भृमण कर स्टेट बैंक से होकर चंदकुआं स्थित रानी लक्ष्मीबाई ने पूर्व सदर विधायक का माल्यार्पण कर स्वागत किया।इस मौके पर पालिकाध्यक्ष सरिता वर्मा,पीसीसी सदस्य हाजी मुहम्मद अहमद, प्रमोद शुक्ला,सिद्धार्थ दीवौलिया, राघवेन्द्र तिवारी जिला सचिव, आजादउददीन,ब्लॉक अध्यक्ष अजय बरार,निवर्तमान नगर अध्यक्ष प्रभुदयाल गौतम, शैलेंद्र व्यास, संतोष ठाकुर, लालू शेख, अरविंद सेंगर, सुरेश दीक्षित,ऋषभ विदुआ, शिवम तिवारी, अयूब अंसारी, चंद्रशेखर वर्मा, लक्ष्मी नारायण चतुर्वेदी, ओम नारायण शर्मा, अहमद खान कडू मामा, देवेश मिश्रा

स्मारक पर पहुंचा जहां मार्च में शामिल कार्यकर्ताओं ने रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया। वहीं पार्टी कार्यालय पर समापन कार्यक्रम में बोलते हुए पूर्व सदर विधायक ने कहा कि सूबे में मंहगाई, बेरोजगारी, महिला अत्याचार, किसान उत्पीड़न, भ्रष्टाचार जैसे बड़े मुद्दों पर बहरी सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने के लिये अगस्त क्रांति मार्च निकाला गया है। इससे पूर्व पार्टी कार्यकर्ताओं पचीपुरी,अशोक चौधरी, सुधीर शर्मा, सुभाषचंद्र तिवारी, गुड्डू अवस्थी, श्रीनारायण दीक्षित, अखिल वैद्य, रवि विरगुवा, नीतू विरगुवा, गोविंद शुक्ला, राहुल प्रजापति, श्यामसुंदर प्रधान, ज्वालाप्रसाद, अरूण कुमार, मनोज मिश्रा, राम बहादुर, अमित जाटव, चित्रांगद पांडेय, श्यामसुंदर चतुर्वेदी, इंदल अहिरवार, नरेंद्र तिवारी,अर्जुन गुर्जर, मानसिंह राजपूत, गोलू सामी, अशोक चौधरी, रामबाबू जाटव आदि कौंग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गर्भवती महिला से दुष्कर्म का आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा

कानपुर, (वेबवार्ता)। काकादेव थाना क्षेत्र में गर्भवती महिला से दुष्कर्म का मामला दो दिन पूर्व प्रकाश में आया था। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर फरार आरोपित की तलाश शुरू कर दी थी। आरोपित को पुलिस ने शहर से फरार होने से पूर्व दबोच लिया और उसे जेल भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक, काकादेव स्थित सर्वोदय नगर निवासी एक गर्भवती महिला ने सोमवार को काकादेव थाने में मुकदमा था कि उसके घर के पास ही रहने वाले करन बाल्मीकि ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। आरोप के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी के घर पहुंची, लेकिन वह फरार हो चुका था। पुलिस की टीमों ने आरोपी को पकड़ने के लिए मुखबिर तंत्र को लगाते हुए खोजबीन शुरू की। बीती देर रात गर्भवती से दुष्कर्म के फरार आरोपी को इंस्पेक्टर कुंज बिहारी मिश्रा ने पुलिस टीम के साथ शहर से भागने से पूर्व दबोच लिया। पकड़े गए अभियुक्त से पूछताछ करते हुए जेल भेजने की कार्रवाई पुलिस द्वारा की जा रही है।

ऑपरेशन क्लीन : पुलिस मुठभेड में शातिर बदमाश घायल

झांसी, (वेबवार्ता)। पुलिस का ऑपरेशन क्लीन लगातार जारी है। अब तक पुलिस चार मुठभेड़ को अंजाम दे चुकी है। इनमें 10 लोगों को पुलिस मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार कर चुकी है। कुछ दिन शांत रहने के बाद देर रात पुलिस की रायफल फिर गरज उठी। थाना एरच क्षेत्रांतर्गत रात्रि में समय करीब 2 बजे थानाध्यक्ष एरच व स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम की गुरसराय–एरच रोड, गुरसराय बॉर्डर पर चेकिंग के दौरान काले रंग की पल्सर सवार दो बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गयी। इनमें से एक घायल हो गया जबकि दूसरे को दबोच लिया गया।

मुठभेड़ में बदमाश 42 वर्षीय सुनील कुमार गौड़ पुत्र तारकेश्वर प्रसाद गौड़ निवासी सब्जी मण्डी नैनी थाना नैनी जनपद प्रयागराज के पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दूसरे बदमाश रामचंद्र पुत्र श्रीराम निवासी मुराद्दीनपुर थाना उतरावा जनपद प्रयागराज उम्र 55 वर्ष को दौड़ाकर पकड़ा गया।

बदमाशों के कब्जे से चोरी किये गये समान को बेचकर अर्जित किये गये 50 हजार रुपये,01 बोरी में बिजली का सामान,02 तमंचा 315 बोर, 04 खोखा कारतूस व 03 जिन्दा कारतूस बरामद किए।

पूछ–ताछ में बदमाशों ने स्वीकार किया कि बीते 1 जुलाई को थाना बड़ागांव क्षेत्र के डालखण्ड नहर, विद्युत उपखण्ड के ट्रांसफार्मर से 700 लीटर तेल चोरी व तांबा उन्होंने ही निकाला था। बदमाशों के पास से बरामद 50 हजार रुपये उसी सामान को बेचकर अर्जित किए गए थे। गिरफ्तार बदमाशों का डकैती डालने के कई मामलों में लंबा आपराधिक इतिहास रहा है।

आशा के प्रयास से अधिक से अधिक गर्भवती को मिली मुफ्त जांच की सुविधा

अवध की आवाज ब्यूरो

हरदोई। सोमवार को जनपद के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएम्एसएम्ए) आयोजित किया गया

था। इसी क्रम में पिहानी ब्लाक की आशा कार्यकर्ता ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रद्र्शन किया। आशा कार्यकर्ता सावित्री इस दिन अपने क्षेत्र की 23 महिलाओं को राजी कर पिहानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जांच के लिए लेकर आयी और इसके साथ ही में वह 4 महिलाओं को त्रैमासिक गर्भनिरोधक अन्तरा इंजेक्शन लगवाने के लिए भी लेकर आयीं।

सावित्री बताती हैं, मेहनत और लगन से काम करिए तो कभी भी आपको निराशा हाथ नहीं लगेगी। हम जब घर घर जाकर लोगों को समझाएंगे कि उनके लिए क्या सही है और क्या गलत है तो वह जरूर समझेंगे। यह कहना है पिहानी ब्लाक के रुन्धपुर गाँव की आशा कार्यकर्ता सावित्री का। वह बताती हैं कि हम सभी को स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी जाने वाली सेवाओं और उनके लाभ के बारे में बताते हैं। हम घर–घर जाकर भ्रमण करते हैं।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सूर्यमणि त्रिपाठी ने बताया – आशा कार्यकर्ता सावित्री ने बहुत ही अच्छा काम किया है। आशा कार्यकर्ता सावित्री ने अन्य कार्यकर्ताओं के लिए एक मिसाल कायम की है । समुदाय में काम करने में बहुत दिक्कतें आती हैं लेकिन उनसे घबराना नहीं हैं बल्कि उनका सामना करना है , जो सावित्री ने किया । मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं साथ ही मैं अन्य आशा कार्यकर्ताओं से भी यह उम्मीद करता हूं कि वह भी मेहनत और लगन से काम करेंगी ।

केंद्र सरकार है पूंजीपतियों की सरकार–जादौन

–भाकियू समीक्षा बैठक में शामिल हुए प्रदेश अध्यक्ष

कोंच, जालौन। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष राजवीर सिंह जादौन ने केंद्र सरकार को पूंजीपतियों की सरकार बताते हुए कहा कि सरकार ने धन्नासेठों की तिजोरी में बैठ कर किसानों का अस्तित्व खत्म करने बाले कृषि कानून बनाए हैं। जिन कानूनों को त्रुटि रहित बता कर सरकार अपनी पीठ ठोंक रही थी वही सरकार वार्ता की मेजों पर कम से कम एक दर्जन संशोधनों के लिए राजी हो गई थी। यह इस बात का संकेत है कि सरकार द्वारा बनाए गए तीनों कृषि कानून किसानों की नहीं पूंजीपतियों की भलाई के लिए बनाए गए हैं। यह बात उन्होंने यहां भाकियू की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान कही।

कोंच नगर के मथुराप्रसाद गार्डन में मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन की जिला स्तरीय सांगठनिक समीक्षा में जिले भर की तहसील और ब्लॉक इकाइयों के पदाधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में किसान मौजूद थे। केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए कृषि कानूनों को लेकर उनमें गुस्सा साफ दिखा। भाकियू के प्रदेश उपाध्यक्ष हरदत्त पांडे के पर्यवेक्षण में आयोजित समीक्षा बैठक में जिले की सभी इकाइयों ने अपनी प्रगति आख्या प्रस्तुत की। आगामी 5 सितंबर को मुजफ्फरनगर में होने बाली किसान महा पंचायत में अधिक से अधिक किसानों के पहुंचने के आह्वान के साथ संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राजवीर सिंह जादौन ने केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए तीनों कृषि कानूनों को किसानों की बर्बादी के

कानून बताते हुए इनकी जमकर मुखालफत की। कहा कि सरकार पूंजीपतियों की गोद में बैठकर किसानों की बर्बादी का ड्राफ्ट तैयार कर चुकी है लेकिन किसान उसकी मनमानी बिल्कुल नहीं चलने देंगे, सरकार को किसानों की मांगें माननी ही होंगी। या तो सरकार गोली चलवा कर दिल्ली बॉर्डर पर पिछले नौ महीने से डटे किसानों को वहां से हटाए या फिर काले कृषि कानून वापिस ले क्योंकि जब तक कानून निरस्त नहीं होंगे और एमएसपी पर कानून नहीं बनेगा, तब तक किसानों की घर वापिसी नहीं होगी।जादौन ने कहा कि किसान की लड़ाई सिर्फ किसान की नहीं है बल्कि एक सौ चालीस करोड़ भारतवासियों की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि कृषि कानूनों की आड़ में सरकार किसानों को बर्बाद और अपने चहेते औद्योगिक घरानों को मालामाल करने का जो मंसूबा पाले हुए है वह कभी पूरा नहीं होगा। उन्होंने साफ कहा कि भाकियू न तो किसी की सरकार गिराने जा रही है और न किसी की बनवाने, वह सिर्फ अपने अस्तित्व और अस्मिता की लड़ाई लड़ रही है। यह आंदोलन किसान की नसल और फसल बचाने की लड़ाई है। सरकार तो वार्ता की मेज पर उसी वक्त हार गई थी जब वह अपने तथाकथित त्रुटिरहित कानूनों में किसानों द्वारा सुझाए गए संशोधन लागू करने पर राजी हो गई थी। जब उसके कानूनों की कलई खुल गई तो वह वार्ता की टेविल से ही भाग खड़ी हुई। सुप्रीम कोर्ट भी सरकार को फटकार लगा चुकी है कि कृषि प्रधान इस देश में इतने घटिया और लचर कानून लागू नहीं हो सकते। कोर्ट की फटकार के बाद सरकार ने कानूनों को होल्ड पर रख कर किसानों से वार्ता के लिए जो समिति बनाई थी उसके एक सदस्य ने तो यह कहते हुए इस्तीफा तक दे दिया था कि वह इन कानूनों के पक्षधर रहे हैं लिहाजा समिति में उनकी मौजूदगी सवाल खड़े करेगी। इससे साफ हो जाता है कि सरकार की मंशा में ही खोट है। संचालन जिलाध्यक्ष डॉ. द्विजेंद्र सिंह ने किया। इस दौरान डॉ. केदारनाथ, बृजेश राजपूत, दिनेश प्रताप, रामकुमार पटेल, भगवान दास, महेंद्र भाटिया, चंद्रमोहन, चतुरसिंह, डॉ. पीडी निरंजन, श्यामसुंदर, राजू कुंवरपुरा, चित्तरसिंह, वकील साहब, इमाम बक्स, सुरेंद्र पटेल, सुनील, रामलला, राकेश पटेल आदि मौजूद रहे।

आर्यावर्त बैंक की लापरवाही के चलते फर्जी साइन पर रुपये ट्रांसफर हो जाने के आरोप

स्वयं सहायता समूह में फर्जीवाड़ा होने पर महिलाओ ने काटा हंगामा
बोले मैनेजर साइन मैच हो गया होगा रुपये वापस होंगे य होगी कार्यवाही

अवध की आवाज ब्यूरो

कदौरा/जालौन। योगी सरकार द्वारा एक तरफ महिलाओ को स्वनिर्धारित व शशक्त करने के लिए स्वयं सहायता समूह बनवाये गए है जिसमे महिलाएं जागरूक होकर सरकार की मदद से अपने सपनो को साकार कर सके।लेकिन बैंक शाखाओं की लापरवाही के चलते समूह की महिलाओ को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है समूह खाते से फर्जी साइन कर खाते से रुपये निकाले जाने को लेकर महिलाओ द्वारा ब्लाक सहित बैंक शाखा के समीप हंगामा काटा गया कि बैंक की लापरवाही के चलते कुछ भी हो सकता है।

गौरतलब हो कि विकास खण्ड कदौरा क्षेत्र ग्राम लोदीपुर(जमरेही)निवासिनी खेरा पति स्वयं सहायता समूह की सचिव अंजनी देवी पत्नी विजय द्वारा आरोप लगाया कि आर्यावर्त बैंक शाखा कदौरा की लापरवाही के चलते फर्जी साइन होने के बाद भी समूह का 10 हजार रुपया ट्रांसफर कर दिया गया जो कि घोर लापरवाही है।

मामले में बताया कि उसके ग्राम मजरा में 5 समूह संचालित है जिसमे एक महेश्वरी मैया ग्राम संघठन समूह बना हुआ है जिसकी अध्यक्ष द्वारा

उसके फर्जी साइन बनाकर आर्यावर्त बैंक से फर्जी तरीके से 10 हजार रुपये गायब कर दिए गए जब उन लोगो को जानकारी हुई तो विरोध करते हुए ब्लाक एनआरएलएम सहित बैंक शाखा में हंगामा काटा गया एव कहा कि ऐसे बैंक में कोई भी फर्जी साइन कर पैसा ट्रांसफर करा सकता है क्या इसमे बैंक अधिकारियों की कोई जवाब देही नही है।

वही मामले में आर्यावर्त बैंक शाखा प्रबंधक सुनील कुमार द्वारा कहा गया कि समूह से कम से कम दो लोगो(अध्यक्ष व सचिव) की मौजूदगी में ही रुपये ट्रांसफर हो सकते है फर्जी साइन मैच कर गए होंगे तो रुपये खाते में ट्रांसफर हो गए होंगे जिसकी जांच की जाएगी मामला सही पाए जाने पर रुपये वापस किये जायेंगे य उक्त के खिलाप कार्यवाही होगी।

फिलहाल महिलाओ के हंगामे को लेकर आस पास खड़े सार्वजनिक लोगो द्वारा कहा गया कि बैंक शाखा की इस तरह की गलती निंदनीय है यदि साधारण जांच भी नही होती तो बाकी के खाते व कैसे कैसे सुरक्षित रहेगा। वही ब्लाक पदाधिकारी सुनील विश्वकर्मा द्वारा कहा गया उक्त आरोपी महिला को समूह से हटाकर कार्यवाही की जाएगी।

कदौरा क्षेत्र बाढ़ प्रभावित ग्राम इकौना में बीडीओ टीम द्वारा पीड़ितों को वितरण करवाया राशन

आपत्ति काल मे सभी मिलजुल करे पीड़ितों की मदद,, अश्विनी सिंह बीडीओ

अवध की आवाज ब्यूरो

कदौरा/जालौन।कदौरा विकास खण्ड क्षेत्र यमुना नदी के समीप बाढ़ प्रभावित ग्राम पंचायत में बीडीओ द्वारा टीम सहित निरीक्षण करते हुए पीड़ितों को सम्पूर्ण राशन किट प्रदान की एव उन्है आश्वस्त किया कि जल्द ही उक्त समस्या से ग्राम वासियो को राहत मिलेगी एव किसी प्रकार की समस्या पर प्रसाशन उनके साथ है एव समस्त ग्राम वासी अपनी सूचना सम्बन्धित अधिकारी को अवगत करा सकते है वही नाव से इर्द गिर्द निरीक्षण करते हुए स्थितियों का जायजा लिया गया।

ज्ञातव्य हो कि कदौरा विकास खण्ड में नवागंतुक खण्ड विकास अधिकारी अश्वनी कुमार सिंह द्वारा चार्ज संभालते ही विकास खण्ड स्तरीय गतिविधियों की जानकारी लेते हुए प्रमुख समय बाढ़ पर गौरतलब किया एव प्रभावित ग्राम पंचायत इकौना में टीम सहित निरीक्षण किया गया जहां जलभराव से बेघर व गृहस्थी विहीन परिवारों को पहले से राशन की व्यवस्था कर ले गए आधिकारिक टीम द्वारा ऐसे 15 परिवारों को राशन किट प्रदान की गई प्रत्येक राशन किट में प्रति परिवार को आटा चावल दाल साबुन तेल आलू प्याज मसाला लईया मोमबत्ती बिस्कुट माचिस चावल गुड़ आदि सामग्री प्रदान की गयी ग्राम प्रधान प्रति ब्रजनन्दन तिवारी की मौजूदगी में आधिकारिक टीम के साथ खण्ड विकास अधिकारी अश्वनी कुमार द्वारा पीड़ित ग्रामीणों को आस्वस्त किया गया कि बहुत जल्द उक्त बाढ़ की समस्या से निजात मिलेगी धैर्य बनाये रखे प्रसाशन आपके साथ है एव स्वास्थ्य भोजन पानी व अन्य समस्याओ को लेकर ग्रामीण प्रधान के माध्यम से य स्वयं अधिकारी को अवगत करा सकते है वही जलभराव की स्थिति का नाव के सहारे जायजा लिया गया वही प्रेस वार्ता में बीडीओ द्वारा कहा गया कि इस तरह की आपदा में हम सभी का कर्तव्य है कि जो जिस लायक हो एक दूसरे की मदद करना चाहिए मौके पर सचिब जगत नारायन प्रभात कुमार कुणाल कुमार व प्रधान प्रति ब्रजनन्दन व ग्रामीण मौजूद रहे।वही गांवो में डॉ अशोक चक के निर्देशन में स्वास्थ्य सहित अन्य टीम द्वारा भी बीमार लोगो का उपचार व दवा दी जा रही है।

महिला एंव बाल विकास राज्यमंत्री स्वाति सिंह की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं की हुई समीक्षा।

– मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, पति की मृत्यु उपरांत निराश्रित महिला पेंशन, वन स्टॉप सेंटर, बेटी बचाओ बेटी पढाओ, वर्किंग वीमेन होस्टल, बाल सेवा योजना और गृहों के संचालन पर विशेष निर्देश दिए गए।

– उप मुख्य परिवीक्षा अधिकारियों को योजनाओं के सक्रिय क्रियान्वयन हेतु दिए गए निर्देश।

– बालगृहों के जीर्णोधार तथा रखरखाव को सुदृढ़ करने के दिये गये निर्देश।

– उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को किया जाएगा प्रोत्साहित व लापरवाह अधिकारियों को मिलेगी प्रतिकूल प्रविष्टि।

बैठक में समीक्षा के दौरान निम्न निर्देश दिये गये:

पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंषन में अधिक से अधिक लाभार्थियों को लाभान्वित करने हेतु मिशन शक्ति के अंतर्गत अभियान चलाते हुए प्रत्येक 15 दिन में तहसील/ ब्लाक स्तर पर स्वावलंबन कैम्प लगाकर सभी पात्र लाभार्थियों के आवेदन पत्रों को पूर्ण कराया जाये। मीडिया एंव अन्य माध्यमों से कैम्प लगाने के संबंध में प्रचार–प्रसार किया जाये तथा जनप्रतिनिधियों का अपेक्षित सहयोग प्राप्त किया जाये।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की समीक्षा करते हुए सबसे कम प्रगति वाले 10 जनपदों को सचेत करते हुए प्रगति में सुधार हेतु निर्देषित किया गया। बैठक में टॉप 10 जनपदों को कहा गया कि उनके लिये निर्धारित लक्ष्य कम है और अधिक प्रयास किये जाने आवश्यक हैं। साथ ही सबसे खराब प्रर्दशन वाले 10 जनपदों के अधिकारियों को आगामी 1 माह में प्रगति में सुधार हेतु निदेर्शित किया गया अन्यथा उनपर कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

विभाग ने अवगत कराया कि वन स्टाप सेंटर के भवन निर्माण का कार्य 52 जनपदों में प्रारम्भ हो गया है। जिस पर स्वाति सिंह द्वारा समस्त जिला प्रोबेषन अधिकारियों को निर्देषित किया गया कि समस्त जनपदों में वन स्टाप सेन्टर के भवन का निर्माण कार्य 03 माह में अनिवार्य रूप से पूर्ण करा दिया जाये। 13 जनपदों में अभी भी कार्मिको का चयन नुई होने पर स्वाति सिंह ने 1 माह में चयन करने के निर्देश दिए।

स्वाति सिंह द्वारा उप मुख्य परिवीक्षा अधिकारियों को निदेर्शित किया गया कि बेटी बचाओ बेटी पढाओ का संदेश जन–जन तक पहुंचाने के लिये समाज के सभी वर्गो यथा–ग्रामप्रधान व अन्य जन प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित किया जाये। प्रत्येक माह जनपद में इस योजना के अर्न्तगत एक बडा आयोजन कराना सुनिष्चित किया जाये।

उत्तर प्रदेष मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य में कोविड के अतिरिक्त प्रभावित समस्त परिवारों को जोड़ने पर चर्चा की गई तथा जन जन तक इस योजना को पहुंचाने हेतु अधिकारियो को निर्देश दिए गए।

निदेशक महिला कल्याण मनोज राय ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, उत्तर प्रदेष सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजना है। मिशन शक्ति के अंतर्गत प्रस्तावित स्वावलंबन कैम्पों में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंषन योजना तथा बल सेवा योजना के आवेदन पत्र भी भराये व पूर्ण किये जायें। उन्होनें कहा समस्त जनपदीय अधिकारी सक्रिय हो जायें तथा बाल सेवा योजना की तरह अन्य योजनाओं का प्रचार–प्रसार भी करें तथा दिये गये लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु समयबद्ध कार्ययोजना पर कार्य करें।

प्रमुख सचिव, महिला एंव बाल विकास विभाग वी हेकाली झिमोमी द्वारा समीक्षा के दौरान उप मुख्य परिवीक्षा अधिकारियों को निर्देष दिये कि समस्त जिला प्रोबेषन अधिकारियों के साथ योजनाओं में जोड़े जाने वाले लाभार्थियों के संबंध में प्रतिदिन समीक्षा करें तथा अपने जनपद में सप्ताह में कम से कम 02 दिन संस्थाओं का निरीक्षण अवष्य करें। उन्होंनें कहा कि संस्थाओं के जीणोधार तथा रखरखाव हेतु निदेषालय द्वारा प्रति गृह 5 लाख की धनराषि प्रेषित की गई है, जिसका पूर्ण उपयोग करते हुए तत्काल संस्थाओ का सुदृढीकरण करायें तथा साज–सज्जा एंव सफाई आदि की विषेष व्यवस्था की जाये। बच्चों के खेलने व मनोरंजन के प्रबंध तत्काल सुनिश्चिति किये जायें।

उनके द्वारा यह जोर दिया गया कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के प्रचार प्रसार पर अधिक प्रयास करने की आवश्यक्ता है। इसमें जनप्रतिनिधियों यथा सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख आदि का सहयोग लिया जाये। प्रत्येक ग्राम सभा व ब्लॉक के स्तर पर योजना के प्रचार प्रसार तथा आवेदन प्राप्त करने के उद्देश्य से कैम्प लगाया जाये जिसके बारें में समस्त स्तरों पर जनप्रतिनिधियों व मीडिया के माध्यम से पहले ही भरपूर प्रचार प्रसार करते हुये आम जन मानस तक पहुँच बढ़ाई जाये। योजनाओं को लोकप्रिय बनाने हेतु प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना आवश्यक है।

विभाग द्वारा 21 अगस्त तक कन्या सुमंगला में 2 लाख और निराश्रित महिला पेंशन में 1 लाख 75 हज़ार नए लाभार्थियों का लक्ष्य रखा गया है, स्वाति सिंह ने कहा लक्ष्य की प्राप्ति हेतु उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित किया जाए तथा उदासीनता दिखाने या लापरवाह अधिकारियों पर कड़ी कार्यवाही की जाए।

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव द्वारा थाना बिहार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय व सीसीटीएनएस में अभिलेखों को चेक किया गया तत्पश्चात महिला हेल्पडेस्क का निरीक्षण किया गया तथा हेल्पडेस्क मे तैनात महिला आरक्षी को थाने पर आने वाली महिला शिकायतकर्ताओंध्पीड़िताओं के साथ शालीन व्यवहार करते हुए हरसंभव सहायता करने हेतु निर्देशित किया गया।

भाजपा विधायक ने आप पार्टी के संजय सिंह के खिलाफ दर्ज कराई प्राथमिकी

लखनऊ, (वेबवार्ता)। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक विधायक द्वारा उनकी छवि खराब करने का आरोप लगाने की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। बस्ती जिले की हरैया विधानसभा सीट से भाजपा विधायक अजय सिंह ने संजय सिंह के खिलाफ हजरतगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, अजय सिंह ने आरोप लगाया है कि आप सांसद ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यूपी जल शक्ति मंत्रालय से संबंधित 30,000 करोड़ रुपये के कथित घोटाले के संबंध में गलत तरीके से उनके नाम का इस्तेमाल किया है। प्राथमिकी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस से संबंधित है जिसे संजय सिंह ने 8 अगस्त को संबोधित कर दस्तावेज पेश किए थे, जिसमें दावा किया गया था कि उन्हें भाजपा विधायक अजय सिंह द्वारा जारी किया गया। ये दस्तावेज जल जीवन मिशन के कुछ पहलुओं से संबंधित थे। प्राथमिकी में अजय सिंह ने कहा कि आप सांसद ने लोकप्रियता हासिल करने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस में छेड़छाड़ के दस्तावेज पेश किए थे। प्राथमिकी के अनुसार, आप नेता का प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा कि अजय सिंह द्वारा दस्तावेज जारी किए गए थे जो गलत थे। अजय सिंह ने कहा कि मूल दस्तावेज राज्य विधानसभा में उनके प्रश्न का एक हिस्सा थे जो पिछली सरकार के दौरान हुए कथित बांध घोटाले की जांच की उनकी मांग से संबंधित थे। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, मध्य क्षेत्र, चिरंजीव नाथ सिन्हा ने कहा कि धोखाधड़ी के लिए सजा, जालसाजी के लिए सजा, जालसाजी करने, छपाई या उत्कीर्णन के आरोपों के तहत एक प्राथमिकी, जिसे मानहानि के रूप में जाना जाता है, जिससे आप सांसद संजय सिंह के खिलाफ जनता में डर पैदा होने की संभावना है। पिछले एक साल में उत्तर प्रदेश में आप सांसद संजय सिंह के खिलाफ दर्ज यह 15वीं प्राथमिकी है।

उन्नाव। पुलिस लाइन सभागार में निवर्तमान पुलिस अधीक्षक श्रीमान आनन्द कुलकर्णी का विदाई समारोह आयोजित किया गया श्रीमान जिलाधिकारी महोदय उन्नाव व नवागंतुक पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव सहित समस्त क्षेत्राधिकारी व पुलिस अधिकारीध कर्मचारीगण उपस्थित रहे। स्थानन्तरित पुलिस अधीक्षक महोदय के कार्यकाल को याद करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी गयी ।

15 अगस्त के पावन पर्व पर सभी जनपद वासियों को क्षेत्रवासियों को ग्राम सभा शेषपुरनरी के नौजवान साथियों को नन्हे–मुन्ने बच्चों को एवं बुजुर्गों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं आपका सेवक जनार्दन चौधरी पूर्व प्रधान शेषपुर नरी उन्नाव

ग्राम सभा मनिकापुर ब्लॉक असोहा सुरेंद्र कुमार प्रधान पति की तरफ से सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।